कार्यवाही विवरण

मेसर्स शिवा इन्फ्रास्ट्रक्चर (पार्टनर–श्री उमेश सचदेव, कुम्हारी क्ले माईन), ग्राम–कुम्हारी, तहसील–धमधा, जिला–दुर्ग (छ.ग.) स्थित खसरा कमांक 1010/1, 1010/2, 1010/3, 1010/4, 1011/1, 1011/2, 1013, 1015, 1016/1, 1016/2, 1017/1, 1017/2, 1017/3, 1017/4, 1018/1, 1018/2, 1019, 1020/1, 1020/2, 1023/1, 1023/2, 1025, 1028, 1029/1, 1029/2, 1029/3, 1091/19, 1091/20, 1091/26, कुल क्षेत्रफल–8.776 हेक्टेयर, मिट्टी उत्खनन (गौण खनिज) खदान उत्खनन क्षमता–5,300 घनमीटर प्रतिवर्ष एवं ईट उत्पादन इकाई क्षमता–53,00,000 नग प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 31.07.2021 समय दोपहर 12:00 बजे स्थल–नगर पालिका परिषद–कुम्हारी के सांस्कृतिक भवन में ग्राम–कुम्हारी, तहसील–धमधा, जिला–दुर्ग (छ.ग.) में आयोजित लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के अंतर्गत मेसर्स शिवा इन्फ्रास्ट्रक्चर (पार्टनर–श्री उमेश सचदेव, कुम्हारी क्ले माईन), ग्राम–कुम्हारी, तहसील–धमधा, जिला–दुर्ग (छ.ग.) स्थित खसरा कमांक 1010/1, 1010/2, 1010/3, 1010/4, 1011/1, 1011/2, 1013, 1015, 1016/1, 1016/2, 1017/1, 1017/2, 1017/3, 1017/4, 1018/1, 1018/2, 1019, 1020/1, 1020/2, 1023/1, 1023/2, 1025, 1028, 1029/1, 1029/2, 1029/3, 1091/19, 1091/20, 1091/26, कुल क्षेत्रफल–8.776 हेक्टेयर, मिट्टी उत्खनन (गौण खनिज) खदान उत्खनन क्षमता–5,300 घनमीटर प्रतिवर्ष एवं ईट उत्पादन इकाई क्षमता–53,00,000 नग प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिपेक्ष्य में समाचार पत्रों बिजनेस स्टैण्डर्ड, नई दिल्ली, दिनांक 24.06.2021 एवं पत्रिका, रायपुर दिनांक 24.06.2021 में लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई। तदानुसार लोक सुनवाई दिनांक 31.07.2021 को दोपहर 12:00 बजे अपर कलेक्टर, जिला–दुर्ग की अध्यक्षता में स्थल–नगर पालिका परिषद–कुम्हारी के सांस्कृतिक भवन में ग्राम–कुम्हारी, तहसील–धमधा, जिला–दुर्ग (छ.ग.) में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं कार्यपालक सार की प्रति एवं इसकी सी.डी. जन सामान्य के अवलोकन हेतु डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोरबाग रोड, नई दिल्ली, क्षेत्रीय कार्यालय (डब्लू.सी.जेड) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, ग्राउण्ड फ्लोर ईस्ट विंग न्यू सेक्रेटरिएट बिल्डिंग, सिविल लाईन, नागपुर (महाराष्ट्र), कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर जिला–दुर्ग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जिला–दुर्ग, मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जिला–दुर्ग, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, कुम्हारी, जिला–दुर्ग, सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत मगरघटा, जिला–दुर्ग, सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत खपरी, जिला–दुर्ग, सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत पंचदेवरी, जिला–दुर्ग, सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत भोथली, जिला–दुर्ग, सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत सांकरा, जिला–दुर्ग, मुख्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल पर्यावास भवन, सेक्टर–19 नवा रायपुर, अटल नगर,

जिला रायपुर (छ.ग.) एवं क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला, भिलाई, जिला–दुर्ग (छ.ग.) में रखी गई। उक्त परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला भिलाई, जिला–दुर्ग में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। लोक सुनवाई की निर्धारित तिथि तक क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, 5/32 बंगला भिलाई, जिला–दुर्ग में लिखित रूप से उक्त परियोजना के संबंध में 01 सुझाव एवं सहयोग Shri Vootkuri Sunanda Reddy President, Dharithri Paryavarana Parirakshana, Sanstha, H.No. 6-7, 414 shivaji Nagar, Nalgonda (Telangana) से प्राप्त हुई हैं।

उपरोक्त परियोजना की लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 31.07.2021 को दोपहर 12:00 बजे अपर कलेक्टर, जिला–दुर्ग की अध्यक्षता में स्थल–नगर पालिका परिषद–कुम्हारी के सांस्कृतिक भवन में ग्राम–कुम्हारी, तहसील–धमधा, जिला–दुर्ग (छ.ग.) में लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम अपर कलेक्टर, जिला दुर्ग द्वारा निर्धारित समय एवं तिथि पर लोक सुनवाई प्रारंभ करने की घोषणा की गई। तदोपरांत क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, भिलाई द्वारा लोक सुनवाई प्रारंभ करते हुए भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रकिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् उद्योग की ओर से प्रतिनिधि/कंसलटेन्ट श्री जगमोहन चंद्रा द्वारा प्रस्तावित प्रोजेक्ट के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

अपर कलेक्टर, जिला दुर्ग द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को लोक सुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने परियोजना के संबंध में अपना पक्ष, सुझाव, टीका–टीप्पणियां दर्ज कराया जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री कुलेश्वर चंद्राकर, रायपुर।**

➢ मैं सन् 1994 से 1999 तक ग्राम पंचायत का सरपंच रहा हूं। सन 2008 से पर्यावरण का मेम्बर रहा हूं। मंच पर बैठे सम्माननीय अधिकारीगण यहां पर हमारे सभागार में उपस्थित आसपास के गांव के आये हुए ग्रामीण बंधु मैं सबसे पहले इस बात पर आपत्ति दर्ज करता हूं कि यहां पर पर्यावरण से संबंधित जनसुनवाई हो रही है। आधा किलोमीटर की दूरी पर ग्राम अटारी के लोगों को भी बुलाया जाना था। मै सन् 1999 से 1995 तक ग्राम अटारी का सरपंच था। उस समय वहां पर 12–15 ईंट भट्टा हुआ करता था। जिसमें 100 के आसपास लोग काम करते थे। धीरे–धीरे ईंट भट्टों की संख्या में कमी आती गई। रोजगार कम होता गया, आज मुश्किल से 4 ईंट भट्ठा है

जिसमें आज 2 लोग ही रोजगार पा रहे हैं या काम कर रहे हैं, वे लोग लगातार वहां पर काम कर रहे हैं। दूसरी बात है लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जाये। ईंट भट्टा छोटा सा इकाई है। जिसमें सरकार द्वारा जनसुनवाई का पेचिदा कार्यक्रम रखा गया है। आसपास के गांव के लोगों की तरफ से कहा जाये कि पर्यावरण के प्रति लोगों की जागरूकता बढ रही है, उद्योग लग रहे हैं उससे पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड रहा है। यह सभागार भरा हुआ है जिससे ऐसा लगता है कि पर्यावरण के प्रति लोग जागरूक हैं। मेरे हिसाब से यह ईंट भट्टा जो 8.776 हेक्टेयर में 53,00,000 लाख नग प्रतिवर्ष प्रस्तावित है। उससे लगता है कि लोगों को सस्ते में ईंट मिलने वाली है। आजकल जैसे–जैसे उद्योग लगते जा रहा है वैसे–वैसे बहुत सी कठिनाईयॉ भी आती जा रही है। छोटी छोटी गाड़ियों में 500 ईंट, 1000 ईंट का परिवहन कार्य किया जा रहा है जिससे कई लोगों को रोजगार मिल रहा है। जिससे निश्चित आय का जरिया बन सकता है। आर्थिक गतिविधियॉ भी बढ़ेगी। सब्जी बाजार लगेगा, मजदूर तो निश्चित रूप से काम करेगा तो डॉक्टरी उपचार की भी व्यवस्था हो जायेगी। बच्चों के पढ़ाई–लिखाई की व्यवस्था होगी। प्रस्तावित ईंट भट्टा के पास स्कूल की दूरी काफी ज्यादा है। अगर बाहर से जो काम करने आते हैं उनके बच्चों के लिए आंगनबाडी की व्यवस्था हो जाए तो बच्चों को पढ़ाई में लाभ मिलेगा। सामान्य तौर पर ईंट भट्टा जो दिया जाता है वह प्रायवेट जमीन पर है या शासकीय जमीन पर है ? यह बात नहीं लिखा गया है। प्राईवेट जमीन पर उद्योग वाले ईंट भट्ठा लगाएंगे तो निश्चित रूप से इन गतिविधियों का ध्यान रखेंगे कि ईंट की गुणवत्ता का ध्यान रखेंगे ताकि वह खराब न हो।

2. **श्री बलीराम साहू, ग्राम– कुम्हारी, जिला–दुर्ग।**

➢ मैं इसका भरपूर समर्थन करता हूं। इस उद्योग के खुलने से नागरिकों को काम मिलता है। उनकी आर्थिक समस्या का हल हो जायेगा, आर्थिक समस्या ठीक होने से उनके बच्चे अच्छे से अच्छे स्कूल में पढ़ेंगे। लोगों को काम मिलता है। उनके बच्चे अच्छी नौकरी पाएंगे। इससे राज्य को आय की प्राप्ति होती है। घरेलू समस्या का हल हो जाता है। मैं इसका समर्थन करता हूं।

3. **श्री सुशील सचदेवा, सरोना, रायपुर।**

➢ हमारे गांव कुम्हारी में ईंट भट्ठे से काफी लोगों को रोजगार प्राप्त होता था। मैं उम्मीद करता हूं कि आगे भी लोगों को रोजगार मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी जिससे वे संपन्न होंगे। मैं इसका समर्थन करता हूं।

4. **श्री दीपक दास मानिकपुरी, सरोना, रायपुर।**

➢ मैं इस उद्योग का समर्थन करता हूं। इससे रोजगार के अवसर तो बढ़ेंगे साथ ही अन्य आय की संभावना भी बढ़ जायेगी। मैं इसका समर्थन करता हूं।

5. **श्री अरूण वर्मा, ग्राम– मगरघटा, जिला–दुर्ग।**

➢ मैं एक बात जानना चाहता हूं कि इससे गांव वालों को क्या प्राफिट मिलेगा ? गाडियां तो आएगी–जाएगी जिससे धूल उडेगा। मैं इसका समर्थन करता हूं।

6. **श्री लोधी प्रहलाद दमाहे, सचिव क्षत्रिय समाज, कुम्हारी, जिला–दुर्ग ।**

➢ जो ईंट भट्ठा लगने जा रहा है इसके कार्य का समर्थन करते हैं। बल्कि एक सुझाव भी देते हैं इण्डस्ट्री के माध्यम से यहां के स्थानीय निवासियों को इस कार्य–प्रणाली से किसी प्रकार की आहत, दिक्कत न हो। यह भी आशा करते हैं कि समय–समय पर पर स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम, शिक्षा का कार्यक्रम, बच्चों को प्रोत्साहन देने का कार्यक्रम भी किया जाये। आप देख रहें हैं पूरे विश्व में वैश्विक महामारी फैली हुई है। छत्तीसगढ़ भी इससे अछूता नहीं रहा है। छत्तीसगढ़ में भी इसका परिणाम देखने में आ रहा है। संस्था के माध्यम से महिलाओं को बुजुर्गों को, युवाओं को इस महामारी के बारे में जानकारी दें। साथ ही इस संदर्भ में मेडिसिन जो उपयोगी है दें। संस्था की ओर से भी ध्यान दिया जाये। इससे दोनों के बीच सामंजस्य बना रहे। मैं इस कार्य–प्रणाली का समर्थन करता हूं। इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। धन्यवाद।

7. **श्री हरीलाल निषाद , ग्राम– मगरघटा, जिला–दुर्ग।**

➢ ईंट भटटा खुलने से लोगों को रोजगार मिलेगा, अन्य लोगों को भी रोजगार मिलेगा। हमारे गांव में टैक्टर है, पानी है जिससे लोगों को काम मिलेगा। मैं इसका समर्थन करता हूं।

8. **श्री किशन प्रितवानी, रायपुर।**

➢ मैं समर्थन करता हूं।

9. **श्री सुनन्दा रेड्डी , पर्यावरण विद, बिलासपुर।**

➢ मैं एक पर्यावरण विद हूं। मैं उद्योगों का समर्थन करने वाला भारत का पहला पर्यावरण विद हूं। मेरी उम्र 62 वर्ष है। मुझे अब तक किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है। मेरे राज्य में बेरोजगारी समाज के लिए एक प्रदूषण है पर्यावरण और जन–स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। साथ ही उद्योग का विकास भी महत्वपूर्ण है। औद्योगिक विकास का मैं समर्थन करता हूं। क्योंकि भारत में 18 से 35 वर्ष के आयु के 40 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़. राज्य के औद्योगिक विकास भी आवश्यक है। प्रकृति का संतुलन और औद्योगिक विकास करना भी आवश्यक है। मैं कुछ सुझाव प्रकृति के संतुलन और औद्योगिक विकास के बीच बनाएं रखने के लिए दे रहा हूं। आपने पहले से ही हवा, पानी और जमीन का आधारभूत सर्वेक्षण किया है। यह बहुत अच्छा है। लेकिन 10 किलो मीटर के दायरे में लोगों की वस्तुस्थिति का डेटा 01 पैरामीटर के रूप में प्रयोग किया जाता है ऐसा प्रभावित कदम उठाने के लिए प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए अंतिम ई.आई.ए. रिपोर्ट में दिए गए निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। पानी एक सिमित संसाधन है। वर्षा का पानी बचाए रखना उपयोगी होगा। कृपया गांव में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया जाए। धूल के उत्सर्जन को रोकने के लिए भी वृक्षारोपण किया जाए। अपने उद्योग में स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता दी जाए। औद्योगिक विकास में बेरोजगारों को प्रशिक्षण दिया जाए। 9 हेक्टेयर में उद्योगों को लिया जाकर खनन किया जाये। भूजल स्थिति प्रभावित हुई है जिसके लिये पर्यावरण

को ध्यान में रखते हुए वृक्षारोपण किया जाये। अपने उद्योग में रोजगार शिक्षित लोगों को दिया जाये। कौशल विकास के अंतर्गत रोजगार दिया जाये। जापान, कोरिया जैसे 95 प्रतिशत देश विकसित है। I final favour of industry. Thank You.

10. **श्री टेक प्रसाद पटेल , सरोना, रायपुर।**

➢ मैं इस ईंट भट्ठे को शुभकामनाएं देता हूं। समर्थन करता हूं। लेकिन साथ ही मै यह चाहता हूं कि इससे पर्यावरण को प्रॉबलम न हो। इसके लिए कुछ उपाय किये जाएं।

11. **श्री गोपाल राव , ग्राम– कुम्हारी, जिला–दुर्ग।**

➢ इसमें बेरोजगारों को रोजगार दिया जाये। मैं इसका समर्थन करता हूं।

12. **श्री सुदर्शन, हैदराबाद।**

➢ पर्यावरण का नुकसान किये बिना उद्योग लगाना चाहिए। स्थानीय लोगों को रोजगार देना चाहिए। लोगों को बुनियादी शिक्षा भी दिया जाये। मैं इसका समर्थन करता हूं।

13. **श्री अनुज चंद्राकर, सरोना, रायपुर।**

➢ मैं समर्थन करता हूं क्योंकि इससे क्या होगा जो गरीब मजदूर हैं उनको रोजगार मिलेगा और सरकार को राजस्व भी मिलेगा।

14. **श्री मयाराम निषाद, कुम्हारी, जिला–दुर्ग।**

➢ ईंट भट्ठा खुलने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, गरीब मजदूरों को काम मिलेगा। मैं इसका समर्थन करता हूं।

15. **श्री नरेन्द्र प्रितवानी, रायपुर।**

➢ ईंट भट्ठा खुलने से रोजगार मिलेगा स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। मैं इसका समर्थन करता हूं।

16. **श्री उमेश भावनानी, रायपुर।**

➢ मैं इसका समर्थन करता हूं। क्योंकि यह गांव का उद्योग है ये ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देता है। जिसमें कुशल, अर्द्धकुशल मजदूरों को काम मिलता है। जो काम कोई और उद्योग नहीं दे सकता है। मैं इसका समर्थन करता हूं।

17. **श्री राजेन्द्र यादव, सरोना, रायपुर।**

➢ ईंट भट्ठे का समर्थन करता हूं। साथ ही यह जानना चाहता हूं कि कितने वृक्ष लगाये जायेंगे ? कितने लोगों को रोजगार दिया जायेगा ?

18. **श्री ऐश्वर्य बान, सरोना, रायपुर।**

➢ मैं समर्थन करता हूं। ईंट भट्ठा खुलना चाहिए। यहां स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलना चाहिए, सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी।

19. **श्री राजकुमार देवांगन, कुम्हारी जिला–दुर्ग।**

➢ मैं इस ईंट भट्ठे का समर्थन करता हूं।

20. **श्री कृष्ण कुमार साहू, खपरी, जिला–दुर्ग।**
- मैं इस ईंट भट्ठे का समर्थन करता हूं। इससे हमारे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

21. **श्री बुधराम, कुम्हारी जिला–दुर्ग।**
- मैं इस भट्ठे का समर्थन करता हूं। इससे हमारे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

22. **श्री भगवती प्रसाद लहरे , ग्राम– कुम्हारी, जिला–दुर्ग।**
- मैं इस ईंट भट्ठे का समर्थन करता हूं। क्योंकि वहां बेरोजगारों को काम मिलेगा। इसलिए मैं इसका समर्थन करता हूं।

23. **श्री पंचराम, ग्राम– कुम्हारी, जिला–दुर्ग।**
- मैं इस ईंट भट्ठे का समर्थन करता हूं। इसके खुलने से रोजगार मिलेगा।

24. **श्री प्रभूराम गंगवानी, रायपुर।**
- मैं इस उद्योग का समर्थन करता हूं।

25. **श्री सुरेश भावनानी, रायपुर।**
- मैं इस ईंट उद्योग का समर्थन करता हूं इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मैं समर्थन करता हूं।

26. **श्री सुदेश कुमार साहू, सरोना. रायपुर।**
- मैं इस उद्योग का समर्थन करता हूं।

27. **श्री शंकर पिंजवानी, रायपुर।**
- मैं इस उद्योग का समर्थन करता हूं।

28. **श्री रवि कुकरेजा, रायपुर।**
- मैं इस उद्योग का समर्थन करता हूं।

29. **श्री लक्ष्मण साहू , ग्राम कुम्हारी जिला–दुर्ग।**
- ईंट भट्ठा खुलने का मैं समर्थन करता हूं।

30. **श्री बालकृष्ण प्रितवानी, रायपुर।**
- मैं इसका समर्थन करता हूं।

31. **श्री विजय साहू, ग्राम – कुम्हारी, जिला–दुर्ग।**
- मैं इस ईंट भट्ठे से सहमत हूं क्योंकि इससे रोजगार प्राप्त होगा।

32. **श्री राजेश दुबे, रायपुर।**

- मैं इस उद्योग का समर्थन करता हूं और कामना करता हूं कि भविष्य में यह उद्योग कुम्हारी क्षेत्र के उत्थान के लिए कार्य करे।

33. **श्री रमेश जुमनानी, रायपुर।**

- मैं इसका समर्थन करता हूं।

उपरोक्त वक्तव्य के बाद अपर कलेक्टर तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जनसमुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया किन्तु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब अपर कलेक्टर जिला दुर्ग द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उद्योग की ओर से प्रतिनिधि/कंसलटेन्ट श्री जगमोहन चंद्रा द्वारा परियोजना के संबंध में लोक सुनवाई के दौरान उठाए गए मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु मौखिक रूप से उपस्थित जन समुदाय को बिन्दुवार अवगत कराया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि जो कि निम्नानुसार है :–

- यह एक मेनुवल माइनिंग प्रोसेस है। इसमें गांव के लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी। इसमें 45 लोगों को इसमें रोजगार मिलेगा। गाड़ियॉ चलेगी तो धूल के उत्सर्जन को रोकने के लिये सड़क के दोनों ओर प्लाण्टेशन किया जायेगा तथा दिन में 2 बार जल का छिड़काव किया जायेगा तथा माइन लीज के चारो तरफ प्लाण्टेशन किया जायेगा।
- स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, जिससे उनकी आय बढ़ेगी।जिससे उनका लिविंग स्टैण्डर्ड बढ़ेगा। खदान के अंदर दो टैंक बनाया जायेगा जिसमें पानी भरेगा। जिसके माध्यम से हम ईंट मेन्युफेक्च्युरिंग करेंगे।
- गांव में भी वृक्षारोपण कार्यकम किया जायेगा। जिससे वृक्षारोपण कार्यक्रमं को बढ़ावा मिलेगा। 45 लोगों को रोजगार दिया जायेगा। 690 नग वृक्ष माइन लीज क्षेत्र में लगाये जायेंगे तथा कच्ची सड़क के दोनों ओर वृक्षारोपण किया जायेगा। जिससे धूल उत्सर्जन कम हो।
- पर्यावरण संरक्षण के लिये दिन में 2 बार कच्ची सड़क में जल का छिड़काव किया जायेगा। जिससे धूल का उत्सर्जन कम हो। जितनी भी गाड़ियों आएगी और जाएगी ईंट और फ्लाई ऐश लेकर उसका परिवहन तारपोलिन से ढककर किया जायेगा। फ्लाई ऐश जो हम इस्तेमाल करेंगे माईनिंग क्षेत्र के अंदर उसकों भी तारपोलिन से ढककर रखा जायेगा तथा समय–समय पर जल का छिड़काव किया जायेगा। स्थानीय लोगों को ही रोजगार में प्राथमिकता दी जायेगी।

लोक सुनवाई स्थल पर लिखित में 20 सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 33 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई। जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समुदाय में से कुल 54 लोगों ने हस्ताक्षर किये हैं। संपूर्ण लोक सुनवाई कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई गई।

अपर कलेक्टर, जिला–दुर्ग द्वारा लोक सुनवाई में उपस्थित सभी जन समुदाय को लोक सुनवाई में भाग लेने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिये धन्यवाद देते हुए दोपहर 01.30 बजे लोक सुनवाई की कार्यवाही समाप्त करने की घोषणा की गई।

क्षेत्रीय अधिकारी,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, भिलाई

अपर कलेक्टर
जिला–दुर्ग